वनरक्षक
के लिये
आदर्श पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम

वन रक्षक, क्षेत्र रक्षक एवं जेल प्रहरी के पदों हेतु पाठयक्रम

(परीक्षा में क्वेल एक प्रश न पत्र रहेगा)

प्रश्न पत्र का विवरण

लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम कुल अंक 100

भाग-1	सामान्य ज्ञान	100 अंक
भाग-2	सामान्य हिन्दी	
भाग-3	सामान्य अंग्रेजी	
भाग-4	सामान्य गणित	
भाग-5	सामान्य विज्ञान	

नोट:- माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश की 10+2 प्रणाली के अंतर्गत हाईस्कूल परीक्षा (कक्षा दसवी) स्तर का पाठ्यक्रम होगा ।

(छः माह के वनरक्षक प्रशिक्षण सत्र हेतु)

1. वन वर्धन ।

सैद्धान्तिक	**24 पीरियड**
प्रायोगिक	**13 पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास	**10 दिवस**
शनिवार भ्रमण	**2 दिवस**

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास
1	**परिचय** राज्य में वानिकी का संक्षिप्त इतिहास। राज्य के वन संसाधनों की संक्षिप्त रूपरेखा। राज्य के वनों के विभिन्न श्रेणी।	2	0	0
2	**वनों की भूमिका** वनों के सामान्य एवं विशेष महत्व वनों के सुरक्षात्मक/उत्पादक/सौंदर्यात्मक कार्य। पर्यावरण संरक्षण। आजीविका सुरक्षा।	3	0	1
3	**वृक्षों की वृद्धि** वृक्ष की वृद्धि, वृक्ष की विभिन्न अवस्थायें– अंकुर, पौधा, स्तम्भ व वृक्ष। वृक्ष के भाग – तना, शाखायें, छत्र।	3	0	2
4	**वनों की वृद्धि** वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारक– जलवायु सम्बन्धी, भूसमाकृति सम्बन्धी, मृदा सम्बन्धी व जैविक मृदा पर अधोस्तरीय चट्टान का प्रभाव, राज्य के मृदा/चट्टानों के प्रकार। मृदा पार्श्वस्तर की अवधारणा, महत्वपूर्ण लाक्षणिक विशेषताएं, पी.एच. पोषक तत्व, रंध्रता। पोषक चक्र, ह्यूमस तथा मृदा कार्बनिक पदार्थ।	8	0	4
5	**क्षेत्रीय वानस्पतिकी** आधारभूत वनस्पति विज्ञान– पादप आकृति रचना, पत्ती, फूल, पुष्पक्रम, फल तथा बीज। प्रकाश संश्लेषण का सामान्य ज्ञान– C,N, H_2O ।	8	0	3

विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
50 चुनी हुई प्रजातियों के स्थानीय, अंग्रेजी व वानस्पतिक नाम, उनकी पहचान, वायस्थान एवं लाक्षणिक विशेषताएं।			
व्यवहारिक प्रेक्टिकल वृक्षों, मृदा, चट्टानों के प्रकारों को पहचानना केवल व्यवहारिक अभ्यास द्वारा अवधारणाएं विकसित करना। 50 चुनी हुई प्रजातियों की स्थलीय पहचान करना, इनके लक्षण, Phenology और हर्बेरियम नमूने एकत्र करने के कार्य सौंपना।	0	13	0
योग	**24**	**13**	**10**

शनिवार भ्रमण 2 दिवस

2. वन वर्धन ।।

सैद्धान्तिक	**25 पीरियड**
प्रायोगिक	**13 पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास	**12 दिवस**
शनिवार भ्रमण	**5 दिवस**

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास
1	**वन प्रबंधन की अवधारणा का परिचय** वृद्धि(Growth & Increment), धारणीयता, निकालना, पातन चक्र (रोटेशन)। जलवायु परिवर्तन, कार्बन व्यापार, REDD+, शुद्ध वर्तमान मूल्य, / अपेक्षा मूल्य, कसौटी एवं सूचकांक, खनन एवं वन, नवीन पहलू।	3	1	1
2	**प्राकृतिक पुनरूत्पादन/प्राकृतिक वनों का प्रबंधन** प्राकृतिक वनों की वृद्धि की लाक्षणिक विशेषताओं का परिचय। परिपक्व वृक्षों को निकालने की पूर्व शर्त–पुनरूत्पादन। वन वर्धन पद्धति की परिभाषा व प्रकार (हाई फारेस्ट/कापिस)। निम्न पद्धतियों का अध्ययन,लागू करने हेतु वनों के लक्षण, परिणामिक शस्य और पुनरूत्पादन की प्रकृति एवं उत्पाद के वितरण (फैला हुआ/संकेन्द्रित) के संदर्भ में– (अ) निःशेष पातन पद्धति – कापिस/यूनिफार्म (ब) चयन पद्धति – पुनरूत्पादन सर्वे का महत्व एवं तरीका – विभिन्न पद्धतियों के महत्वपूर्ण मार्किंग नियम	4	1	2
3	**बांस व घास के मैदानों का पुनरूत्पादन** – इस तरह के वन शस्यों के विशेष लक्षण। – वर्गीकरण तथा महत्वपूर्ण कटाई नियम। – सहायक वन वर्धनिक कार्य तथा सुधार कार्य, भिर्रा सफाई, अर्द्धचन्द्र खन्ती।	2	1	1

विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/ क्षेत्रीय अभ्यास
4 मानव निर्मित वन	11	7	4

वृक्षारोपणों की आवश्यकता, पुनर्वनीकरण/वनीकरण।

वृक्षारोपण के चरण :

– स्थल एवं प्रजाति चयन।

– नर्सरी।

– रोपण स्थल तैयारी।

– वृक्षारोपण।

– रोपण पश्चात् कार्य।

– रोपणों का प्रबंधन।

नर्सरी कार्य : अस्थायी/स्थायी, स्थल चयन, बीज संग्रहण/भंडारण/उपचार (कुछ महत्वपूर्ण प्रजातियों का विवरण जिसमें फल का समय, बीज इकठ्ठा करने के तरीके, बीज चयन व ग्रेडिंग सम्मिलित हो) पूर्व उपचार, अंकुरण क्षमता, अंकुरण, महत्वपूर्ण प्रजातियों के प्रति हेक्टेयर बीज आवश्यकता।

विस्तृत नर्सरी तकनीकें :

ले–आउट, बेड तैयार करना, मृदा, कम्पोस्ट तैयारी, पॉली– बैग भरना, रूट ट्रेनर भरना, बुआई, ट्रान्सप्लांटिग, ग्रेडिंग, नर्सरी शेड, निंदाई, खाद देना, सिंचाई, कीट व रोगनाशक का उपयोग।

– उच्च तकनीक रोपणी– उपकरण व तकनीकें

– रोपण स्टाक तैयार करना, रूटशूट कटिंग, बडिंग, ग्राफ्टिंग, लेयरिंग।

– नर्सरी रजिस्टर संधारण।

– बड़े पौधे तैयार करना।

वृक्षारोपण :

– उपचार मानचित्र ।

– स्थल सीमांकन ।

– स्थल तैयारी, एलाइनमेंट व स्टेकिंग ।

– रोपण का ले–आउट – सेक्शन, निरीक्षण पथ

– गड्ढे करना – इनका समय व आकार, पौधे लगाना ।

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
	– रोग नाशकों का उपयोग । – रूटशूट कटिंग रोपण । – क्लोनल प्लॉटेशन, ग्राफ्टिंग तकनीकें । – वृक्षारोपण सीजन । – मृत पौधे बदलना । – वृक्षारोपण जर्नल– बनाना व संधारण करना। **रोपण के बाद के कार्य :** – निंदाई, गुड़ाई, मल्चिंग, स्टेगर्ड ट्रेंच। – खाद देना, उर्वरक उपयोग। – जीवित मात्रा एवं वृद्धि आंकलन ।			
5	**पुनरूत्पादन क्षेत्रों का संधारण** – टेंडिंग ऑपरेशन, विरलन के प्रकार व विधियां, सुधार पातन । – जीवित प्रतिशत / पुनरुत्पादन की सफलता । – बेला नियंत्रण – नये / पुराने पुनरूत्पादन क्षेत्रों में इसकी आवश्यकता।	2	1	2
6	**बिगड़े वनों का पुनर्स्थापन** – पुनर्स्थापन तकनीकें । – सुरक्षा, सफाई / सिंगलिंग, जड़–भण्डार की प्रकृति व गुण। – महत्वपूर्ण प्रजातियों का रोपण।	2	1	1
7	**कार्य आयोजना की अवधारणा का परिचय**	1	1	1
	योग	**25**	**13**	**12**

शनिवार भ्रमण **5** **दिवस**

3. वन सुरक्षा एवं विधि

सैद्धान्तिक	**25 पीरियड**
प्रायोगिक	**7 पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास	**6 दिवस**
शनिवार भ्रमण	**1 दिवस**

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/ क्षेत्रीय अभ्यास
भाग (अ)	**वन सुरक्षा**			
1	**भूमिका** वनों के ह्रास हेतु उत्तरदायी कारक– मनुष्य, पशु, अग्नि व अन्य प्राकृतिक आपदायें।	1	0	0
2	**अग्नि** कारण, प्रकार, बुरे व लाभदायक प्रभाव। बचाव के उपाय – अग्नि रेखायें, जल्दी–नियंत्रित जलाई। नियंत्रण के उपाय – वाच टावर, अग्नि संकेतक, आग बुझाना। आधुनिक फायर – फाइटिंग उपकरणों का परिचय। अग्नि क्षति का प्रतिवेदन बनाना।	2	0	1
3	**चराई एवं छंटाई** वनों पर मवेशियों की चराई का प्रभाव बचाव के उपाय– रेगुलेशन, चक्रीय चराई, पुनरूत्पादित क्षेत्रों की फेंसिंग। राज्य की चराई नीति का परिचय व इसकी तुलना में प्रचलित पद्धतियां। वनों में पशु चराई की धारण क्षमता संबंधी सामान्य नियम। छंटाई से क्षति, चारा योग्य वृक्षों की सुरक्षित छंटाई के नियम।	2	0	1
4	**मनुष्य** अवैध कटाई–कारण व प्रभाव, नियंत्रण के उपायों के परिचय। अतिक्रमण– वन सीमाओं का संधारण, अतिक्रमण संबंधी कानून।	2	0	0

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
	शिफ्टिंग कल्टीवेशन–परिभाषा, कारण व प्रभाव, प्रचलित तरीकें, आर्थिक व पारिस्थितिकीय संवहनीयता।			
5	**कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व** वनों की सुरक्षा में वनरक्षकों के कर्त्तव्य और उत्तरदायित्व। वन विस्तार, लोगों की भूमिका, ग्राम वन सुरक्षा समितियां।	1	0	1
भाग (ब)	**वन विधि**			
1	**निम्न के प्रमुख प्रावधान** (i) भारतीय वन अधिनियम, 1927 (ii) वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 (iii) वन संरक्षण अधिनियम, 1980 (iv) पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 1996 (v) जैव विविधता अधिनियम, 1980 (vi) अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 एवं नियम 2007	3	0	1
2	परिभाषाएं : वन, पशु, वनोपज, वन अपराध, वन अधिकारी। निम्न से संबंधित राज्य के वन अधिनियमों के विशेष प्रावधानों का अध्ययनः– वनों का कानूनी वर्गीकरण– आरक्षित वन / संरक्षित वन / ग्राम वन। विभिन्न प्रकार के वनों में प्रतिबंधित कार्य। प्रतिबंधित कार्यों के उल्लंघन पर दण्ड। जप्ती, तलाशी व राजसात से संबंधित विशेष प्रावधान। वनोपज परिवहन हेतु विभिन्न प्रकार के अनुज्ञापत्र, उन्हें जारी करने की अधिकारिता, इनके जारी करने व इनकी जांच के सामान्य नियम।	14	0	2

विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
हैमरों के प्रकार – सम्पत्ति हैमर, पातन हैमर, पासिंग / जप्ती हैमर / बहकर आई लकड़ी / निजी लकड़ी। विभिन्न अधिनियमों व नियमों का परिचय तथा उनके उद्देश्य। वन संविदा नियम– कूप डिलेवरी सर्टिफिकेट, अंतरिम / अंतिम प्रतिवेदन, पट्टा समाप्ति का परिणाम। वन अपराधों के पता लगाने, उनकी जांच व निर्वतन संबंधी नियम। जप्तीनामा बनाना, पी.ओर.आर. जारी करना। बयान लेना, सबूत एकत्र करना। अपराधियों की गिरफ्तारी व रिहाई।			
व्यवहारिक प्रेक्टिकल अग्नि रेखाओं एवं सीमा की सफाई, कंट्रोल जलाई, पी. ओ.आर. जारी करना, जप्ती बनाना, अपराध प्रतिवेदन बनाना।	0	7	0
योग	**25**	**7**	**6**

शनिवार भ्रमण **1** **दिवस**

4. वन सर्वेक्षण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी

सैद्धान्तिक	40 पीरियड
प्रायोगिक	26 पीरियड
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास	12 दिवस
शनिवार भ्रमण	5 दिवस

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
भाग(अ)	**वन सर्वेक्षण**			
1	**कोण, त्रिभुज, वृत्त का सामान्य ज्ञान, त्रिभुज, चतुर्भुज, वर्ग, वृत्त, तथा बेलन का क्षेत्रफल निकालना।**	2	0	0
2	**चेन सर्वे :** (अ) चेन की शुद्धता जांचना। (ब) चेन सर्वे की उपयोगिता व इसका प्राथमिक ज्ञान। (स) रेंजिंग, आफसेट, आप्टिकल स्क्वायर तथा कम्पास का सामान्य ज्ञान।	2	4	1
3	**नक्शे पढ़ने के आधारभूत सिद्धान्त।**	2	1	1
भाग(ब)	**सूचना प्रौद्योगिकी**			
1	**कम्प्यूटर** कम्प्यूटर का संक्षिप्त परिचय, कम्प्यूटर की श्रेणी या प्रकार। इनपुट डिवाइस, मॉनिटर, मॉउस, आउटपुट डिवाइस, सेंट्रल प्रोसेस यूनिट। एम.एस.वर्ड एवं एम. एस. एक्सल का प्रयोग। ई मेल।	10	4	0
2	**जी.पी.एस. एवं पी.डी.ए.**	2	3	2
भाग(स)	**मापन**			
1	**खड़े वृक्षों का व्यास तथा गोलाई नापना** (अ) विभिन्न स्थितियों में छाती ऊंचाई नापना। (ब) कैलीपर व टेप से नापना, इसके लाभ व हानि।	1	0	0.5
2	**ऊंचाई नापना** हागा अल्टीमीटर, शैडो एंड स्टिक मेथड।	1	0	0.5
3	**वृक्षों के बेसल एरिया व आयतन की साधारण गणना।**	1	0	0

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
4	**थप्पीकाष्ठ का आयतन निकालना।**	1	0	1
5	**मार्किंग व एन्यूमरेशन के नियम तथा इनके अभिलेख।**	1	0	1
6	**वृक्ष गोलाई, क्रॉप हाइट व टॉप हाइट की गणना।**	1	0	0
7	**रोपण में मृत प्रतिशत की गणना करना, इंटर सैम्पलिंग।**	1	0	1
8	**कार्य उत्पादकता की दृष्टि से श्रम प्रबंधन।**	1	0	0
	व्यवहारिक प्रेक्टिकल सैम्पल प्लॉट डालना, प्रिजर्वेशन प्लॉट, इनके उद्देश्य, प्रारंभिक तथा समयकालिक मापों के प्रकार, वन कूप की सीमा का संधारण व सीमांकन, वन की सीमा, कूप, वृक्ष के माप के विभिन्न प्रकार प्लाट क्षेत्रफल एवं काष्ठ (लगुण, चिरान व थप्पी) के आयतन की गणना ।	0	8	0
भाग(द)	**वन अभियांत्रिकी**			
1	**भवन सामग्री** (अ) पत्थर– विभिन्न प्रकार व संग्रहण। (ब) ईंट– प्रथम श्रेणी ईंट के लक्षण– प्रति 100 घ ानफुट ईंट कार्य में ईंट संख्या । (स) टाईल, चूना, सीमेंट, रेत व गिट्टी का संक्षिप्त परिचय। (द) गारा – चूना, सीमेन्ट व मिट्टी। (इ) कांक्रीट– चूने, सीमेंट व आर.सी.सी.। (फ) प्लास्टर व पेंटिंग, सीमेन्ट प्लास्टर व मिट्टी प्लास्टर, इनके लिये सतह तैयार करना, क्योरिंग व इसके उद्देश्य।	5	0	1
2	**भवन निर्माण** 1(अ) स्थल चयन। 1(ब) नींव, कुर्सी, सुपर स्ट्रक्चर, फर्श, जुड़ाई (पत्थर व ईंट की)। 2. दरवाजे, खिड़की : पैनल, बत्ते, कांच (परिचय मात्र)।	7	0	2

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
	3. छत : इनके विभिन्न प्रकार – घास–फूस , खपरे, एस्बेस्टस, आर.सी.सी.।			
3	**विविध**			
	कुएं –	2	0	1
	(अ) स्थल चयन – गड्ढे कुएं / ट्यूबवेल			
	(ब) निर्माण, मरम्मत एवं सफाई तथा जल शुद्धिकरण का प्रारम्भिक ज्ञान।			
	व्यवहारिक प्रेक्टिकल :	0	6	0
	विभिन्न कार्य जैसे कि मिट्टी खुदाई एवं पुताई के आयतन व क्षेत्रफल की साधारण गणना तथा ईंट व पत्थर जुड़ाई में भवन सामग्री आकलन।			
	योग	**40**	**26**	**12**

शनिवार भ्रमण **5** **दिवस**

5. वन उपयोगिता

सैद्धान्तिक	**24 पीरियड**
प्रायोगिक	**6 पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास	**5 दिवस**
शनिवार भ्रमण	**2 दिवस**

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/ क्षेत्रीय अभ्यास
भाग (अ)	**काष्ठ उत्पाद**			
1	**काष्ठ उत्पादः इमारती व जलाऊ लकड़ी** अ) पातन व लगुणन के औजार– कुल्हाड़ी, आरे। मितव्ययी पातन के सामान्य नियम, पातन के विभिन्न तरीकों के लाभ व हानि। ब) पातन का सीजन। स) परिवर्तन के तरीके– लगुणन, चौकोर बनाना, रफ ड्रेसिंग व चौकोर बनाना, मशीन से चिराई, परिवर्तित काष्ठ का वर्णन, रेलवे स्लीपर्स। द) ग्रेडिंग (श्रेणीकरण)।	4	1	1
2	**काष्ठ का व्ययनः** (अ) शासकीय एजेंसी की कार्य पद्धति। (ब) वन निगम एवं सहकारी समितियों सहित क्रेताओं की कार्य पद्धति। (स) डिपो के विभिन्न प्रकार– वन डिपो, ट्रांजिट डिपो, विक्रय डिपो। (द) उक्त तीनों के रिकार्ड व रिटर्न।	3	1	1
3	**सामान्य प्रजातियों की काष्ठ का उपयोगः** काष्ठ सीजनिंग व संरक्षण का परिचय। काष्ठ प्रतिस्थापन	2	0	0
4	**काष्ठ के सामान्य दोष जैसेः** असामान्य वृद्धि, ड्राई राट, रेड राट, हर्ट राट, बोरर अटैक, झुकाव व ऐंठन, लता का प्रभाव और विभिन्न प्रकार के शेक।	1	1	1
5	**जलाऊ :** (अ) जलाऊ कटाई, संग्रहण व थप्पीकरण के तरीके। (ब) नाप लेने के तरीके (आयतन से व वजन से), सूखत प्रतिशत।	3	1	0

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
	(स) जलाऊ की मांग / आपूर्ति का सामान्य परिचय, जलाऊ बचत के साधन – धुआं रहित उन्नत चूल्हा, बायोगैस प्लान्ट, सोलर कुकर।			
भाग (ब)	**अकाष्ठीय वनोपज**			
1	अकाष्ठीय वनोपज प्रबंध का महत्व एवं म.प्र. में अकाष्ठीय वनोपज का प्रबंध – म.प्र. राज्य लघु वनोपज संघ की कार्य प्रणाली	3	0	1
2	अकाष्ठीय वनोपज के प्रमुख आइटम्स के नाम व उपयोग जैसे– सबई घास, रोसा घास, छप्पर की घास, छाल, शहद, मोम, रेज़िन, गोंद, लाख, कोसा कोए (कोकून), कत्था, महुआ, रंग(डाई)।	2	1	0
3	बीज तेल का उपयोग (साल, नीम, यूकेलिप्टस, रोसा, खस, महुआ आदि)।	1	0	0
4	तेन्दूपत्ता कार्य पद्धति।	3	1	1
5	महत्वपूर्ण औषधीय पौधे– वृक्ष, शाक, झाड़ी– बाह्य स्थलीय संरक्षण की तकनीकें।	1	0	0
6	वनों के खाद्य– ट्यूबर, पत्ते, फल, बीज आदि।	1	0	0
	योग	**24**	**6**	**5**

शनिवार भ्रमण **2** **दिवस**

6. वन्यप्राणी संरक्षण

सैद्धान्तिक	**24 पीरियड**
प्रायोगिक	**7 पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास	**10 दिवस**
शनिवार भ्रमण	**5 दिवस**

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/ क्षेत्रीय अभ्यास
1	**वन्यप्राणी का परिचय एवं महत्व** · सौंदर्यात्मक, मनोरंजक एवं सांस्कृतिक मूल्य। · आर्थिक मूल्य (राज्य हेतु व व्यक्ति हेतु वित्तीय मूल्य)। · वैज्ञानिक मूल्य। · संरक्षण विरुद्ध विकास।	2	0	0
2	**वन्यप्राणी प्रबंध** · देश का संरक्षित क्षेत्र तंत्र। .संसाधनों पर दबाव घटाने हेतु वैकल्पिक संसाधन उपयोग की रणनीति। · राष्ट्रीय बाघ संरक्षण अभिकरण। · हाथी परियोजना। · ईको पर्यटन।	4	0	1
3	**वन्यप्राणी संबंधित क्षेत्रीय तकनीकें** · गणना तकनीकें: परिभाषा, उद्देश्य, विधियां, ट्रेक एंड ट्रेल्स, किल एविडेंस, मार्किंग, टोटल ब्लाक काउंट .वैज्ञानिक साम्यता की तकनीकें, वन्यप्राणी प्रबंधन की क्षेत्रीय तकनीकें जैसे कि डाटा संग्रहण एवं आंकलन तकनीकें विरुद्ध वनस्पतिक सैंपलिंग, घनत्व। · क्षेत्रीय महत्व की प्रजातियों पर विशेष जोर देते हुये बड़े शाकाहारियों व मांसाहारियों के लिये अनुश्रवण तकनीकें। · वासस्थान आंकलन तथा अनुश्रवण। · वन्यप्राणियों द्वारा कारित हानियां।	7	7	3

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास / क्षेत्रीय अभ्यास
	· आदतें व वासस्थान– आव्रजन, आव्रजक पक्षी, प्रजनन सीजन, प्रमुख पक्षियों व जानवरों के वासस्थान। · वन्यप्राणियों की प्रचुरता के प्रमाण अ) पंजे वाले जानवरों के पदचिन्ह, पगमार्क, खुरों वाले जानवर, पक्षियों के मार्ग, पदचिन्हों के ट्रेस तथा प्लास्टर कास्ट बनाना। ब) शिकार पर खाने के संकेत, बाघ के किये शिकार को पहचानना। स) वन्यप्राणी अवशेष द) ड्रापिंग व पेलेट्स।			
4	**भारत में वन्यप्राणियों का वितरण राज्य के विशेष संदर्भ में।**	1	0	0
5	**वैधानिक उपकरणों, कानूनों एवं नीतियों के महत्व व प्रावधान** · भारतीय वन अधिनियम 1927 · वन संरक्षण अधिनियम 1980, · वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 (वर्ष में 1991 संशोधित)	3	0	0
6	**वन्यप्राणी अभ्यारण्यों व राष्ट्रीय उद्यानों का प्रबंधन, राज्य के विशेष संदर्भ में।**	3	0	3
7	**वन्यप्राणी रहवास का प्रबंधन** (अ) सामान्य सिद्धान्त। (ब) साल्ट लिक, वाटरहोल, वाच टॉवर, मीडो विकास। (स) चिड़ियाघर प्रबंधन, बंदी अवस्था में प्रजनन, विभिन्न प्रकार के पिंजरे, बचाये गये वन्यप्राणियों का रखरखाव व उनका पुनर्वास, बंदी दशा में पोषण तथा अभिलेख संधारण के सिद्धान्त (वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के पत्र क्र. 3–17 / 99–RT दि. 17.02.05 द्वारा संशोधित)। (द) सफारी पार्क की अवधारणा।	4	0	3
	योग	**24**	**7**	**10**

शनिवार भ्रमण **5** **दिवस**

7. लेखा एवं प्रक्रियाएं

सैद्धान्तिक **20 पीरियड**
प्रायोगिक **6 पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास **0 दिवस**
शनिवार भ्रमण **0 दिवस**

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास
1	भुगतान हेतु विभिन्न प्रकार के प्रमाणक, मस्टररोल, मापपुस्तिका, इन्हें बनाना व इनका संधारण, स्वीकृत कार्यों का रजिस्टर, कार्य समाप्ति प्रतिवेदन, गुम/गायब रसीदें व प्रमाणक।	5	2	0
2	प्रभार सौंपने, व ग्रहण करने का तरीका, प्रभार प्रतिवेदन।	1	0	0
3	अवकाश नियम – अर्जित अवकाश, आकस्मिक अवकाश, अवैतनिक अवकाश, अर्द्धवैतनिक अवकाश, लघुकृत अवकाश	3	1	0
4	यात्रा भत्ता नियम एवं यात्रा देयक व स्थानांतर यात्रा देयक बनाना।	2	1	0
5	उपयोग होने वाली सामग्री का रजिस्टर, स्टोर रजिस्टर, टूल/प्लान्ट रजिस्टर, इनका संधारण, अनुपयोगी स्टोर का अपलेखन।	3	1	0
6	श्रमिक विधियों के मूलतत्व	1	0	0
7	वन लेखा पद्धति एवं प्राकृतिक संसाधन लेखा पद्धति	3	0	0
8	विभाग का संगठनात्मक ढांचाः – व्यवहारिक।	2	1	0
	योग	**20**	**6**	**0**

शनिवार भ्रमण **0** **दिवस**

8. सामुदायिक वानिकी एवं ग्रामीण विकास

सैद्धान्तिक	**36 पीरियड**
प्रायोगिक	**7 पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास	**10 दिवस**
शनिवार भ्रमण	**4 दिवस**

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/ क्षेत्रीय अभ्यास
1	**परिचय** परिभाषा व स्कोप।	1	0	0
2	**सामुदायिक वानिकी के घटक** कृषि वानिकी, प्रक्षेत्र वानिकी, नगरीय वानिकी, मनोरंजन वानिकी। सड़क, नहर, रेललाईन के किनारे पट्टी में रोपण। सामुदायिक वृक्षारोपण, ग्रामीण वृक्ष समूह (Village wood lot), सामुदायिक विकास की भूमिका, ग्राम वनों की सुरक्षा, उत्पादों का वितरण व विपणन। विकेन्द्रीकृत रोपणी– किसान, विद्यालय, महिला आदि की। सामाजिक सुरक्षा रोपण। परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों का अभिसरण (Convergence) सामाजिक आडिट	12	0	2
3	**प्रेरणा एवं विस्तार** विस्तार की विधियां किसान कैम्प, प्रकृति जागरण कैम्प, वन सुरक्षा कैम्प	3	0	1
4	**सहभागी वन प्रबंधन** वन पुनरूत्पादन तथा सुरक्षा में समुदायों की भूमिका की आवश्यकता। कार्यक्रम समझाने तथा उनकी आवश्यकताओं का आंकलन करने के लिये स्थानीय लोगों से संवाद। ग्रामस्तरीय समितियां, वन सुरक्षा समिति, सहभागी वन प्रबंधन में अशासकीय संगठनों (एन.जी.ओ.) की भूमिका, महिला मंडल, वृक्ष उगाने वालों की सहकारी समिति आदि।	9	0	0

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/ क्षेत्रीय अभ्यास
	समितियों में वनरक्षक की भूमिका। लोगों को शामिल करके माइक्रोप्लान बनाने हेतु आंकड़े/सूचना एकत्र करने की तकनीकें (PRA व RRA तकनीक)।			
5	**जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन**– मूल अवधारणा।	5	0	1
6	**ग्रीन इण्डिया मिशन एवं राष्ट्रीय बांस मिशन**	6	0	2
7	**व्यवहारिक (प्रैक्टिकल)** माइक्रोप्लानिंग करने हेतु विभिन्न प्रपत्रों में ग्रामीण समुदाय के आंकड़े एकत्र करना। ग्राम वनों में वन अधिकारियों की भूमिका। **समूह अभ्यासः** प्रेरणा तथा संवाद कौशल एवं विभिन्न विस्तार रणनीतियों का मूल्यांकन।	0	7	4
	योग	**36**	**7**	**10**

शनिवार भ्रमण **4** **दिवस**

9. पर्यावरण संरक्षण

सैद्धान्तिक **9** **पीरियड**
प्रायोगिक **5** **पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास **0** **दिवस**
शनिवार भ्रमण **0** **दिवस**

	विषयवस्तु	सैद्धान्तिक	प्रायोगिक	प्रवास/ क्षेत्रीय अभ्यास
A.	पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा, प्रस्ताव व समस्याओं को शामिल करते हुए वानिकी परिदृश्य का उपरिदृश्य (overview)	7	5	0
B.	पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिनियम एवं नियम	2	0	0
	योग	**9**	**5**	**0**

शनिवार भ्रमण **0** **दिवस**

10. प्राथमिक उपचार

सैद्धान्तिक	**3 पीरियड**
प्रायोगिक	**2 पीरियड**
प्रवास/क्षेत्रीय अभ्यास	**0 दिवस**
शनिवार भ्रमण	**0 दिवस**

विषयवस्तु		**सैद्धान्तिक**	**प्रायोगिक**	**प्रवास/ क्षेत्रीय अभ्यास**
	प्राथमिक उपचार के सर्टिफिकेट हेतु चिकित्सा अधिकारियों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम।	3	2	0
योग		**3**	**2**	**0**

शनिवार भ्रमण **0** **दिवस**

ऑनलाईन परीक्षा प्रणाली के संबंध में निर्देश

(i) परीक्षा केन्द्र पर निर्धारित रिपोर्टिग समय पर अभ्यर्थी की उपस्थिति अनिवार्य है।

(ii) परीक्षा तिथि पर परीक्षा केन्द्र में अभ्यथी आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा । अभ्यर्थी के बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं होने की स्थिति में उसे परीक्षा में बैठने की पात्रता नहीं होगी ।

(iii) बायोमेट्रिक के अतिरिक्त अभ्यर्थी को टी.ए.सी. के द्वितीय भाग की प्रविष्टियों को भरकर लाना अनिवार्य है।

(iv) मण्डल की वेबसाईट पर अभ्यर्थियों के लिये ऑनलाईन परीक्षा के मॉक टेस्ट की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग कर आवेदक परीक्षा पूर्व, परीक्षा प्रक्रिया का अभ्यास कर सकता है।

(v) मण्डल कार्यालय में भी आवेदक के लिये ऑनलाईन परीक्षा प्रक्रिया के अभ्यास की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

(vi) अभ्यर्थी को परीक्षा के दौरान प्रत्येक प्रश्न के लिये उपलब्ध चार विकल्प में से एक विकल्प का चयन उत्तर अंकित करने के लिये अनिवार्य होगा।

(vii) मण्डल की वेबसाईट पर परीक्षा समाप्त होने के अगले दिवस प्रश्न पत्र एवं मॉडल उत्तर प्रदर्शित किये जायेगे जिसके आधार पर आवेदक प्रश्न एवं उनके उत्तर विकल्पों के संबंध में अपना अभ्यावेदन नियमानुसार निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत कर सकेगा।

(viii) अभ्यर्थियों से प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार उपरान्त अंतिम उत्तर कुंजी (आदर्श उत्तर) तैयार किये जायेगे। जिसके आधार पर परीक्षा परिणाम तैयार कर घोषित किया जाएगा।

(ix) ऑनलाईन आवेदक उपयोगर्ता पहचान और पासवर्ड के द्वारा ही ऑनलाईन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते है । अत: आवेदक उपयोगकर्ता पहचान और पासवर्ड आवश्यकरूप से संभाल कर रखे जिसकी समस्त/जिम्मेदारी आवेदक की होगी ।

(x) परीक्षा का आयोजन एक से अधिक शिफ्ट मे किये जाने की स्थिति में अभ्यर्थियों के स्कोर का Normalisation करने का प्रावधन मण्डल के पास सुरक्षित रहेगा ।

(xi) नियम पुस्तिका में परीक्षा आयोजन का समय परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन/संशोधन किया जा सकता है ।

(xii) परीक्षा आयोजन की निर्धारित तिथि में परिस्थिति अनुसार परिवर्तन किया जा सकता है तथा परीक्षा का आयोजन निर्धातर तिथि के पूर्व या पश्चात भी किया जा सकेगा ।

(xiii) अभ्यर्थी को केवल मूल फोटो युक्त पहचान पत्र प्रस्तुत करने पर ही परीक्षा में बैठने की पात्रता होगी । ई-आधार कार्ड का प्रिन्ट आउट यु.आई.डी.ए.आई.(UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई आधार मान्य होगा ।

(xii) परीक्षा में निर्धारित रिपोटिंग समय के पश्चात आने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश की पात्रता नहीं होगी ।

mpforest.org